अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं - जैनागम स्तोक वारिधि (परीक्षा 06 जनवरी, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे। 3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- 10x1 = (10)

(a) 47 बोल में से तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय में कितने बोल मिलते हैं-

(क) 47 (ख) 37

(ग) 40 (घ) 34 ( )

(b) 47 बोलों का वर्णन भगवती सूत्र के कौनसे शतक में है-

(क) 11 (ख) 26

(ग) 6 (घ) 5 ( )

(c) सभी जीवों के आत्म प्रदेश होते हैं-

(क) समान (ख) असमान

(ग) दोनों (घ) कहना असंभव ( )

(d) उत्पत्ति के प्रथम समय की अवगाहना होती है-

(क) जघन्य (ख) मध्यम

(ग) उत्कृष्ट (घ) अनुत्कृष्ट ( )

(e) जीव पज्जवा के थोकड़े में कुल अलावों की संख्या हैं-

(क) 1209 (ख) 375

(ग) 2138 (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(f) जीव पर्याय होती है-

(क) संख्यात (ख) असंख्यात

(ग) अनन्त (घ) कहना असंभव ( )

(g) कितने द्वारों के आधार पर जीव पज्जवा का वर्णन है-

(क) 11 (ख) 10

(ग) 9 (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(h) छह द्रव्यों में से कितने रूपी हैं-

(क) 5 (ख) 4

(ग) 1 (घ) 6 ( )

(i) अनन्त प्रदेशी स्कन्ध कितने प्रकार के हैं-

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 8 ( )

(j) वस्तु का अविभाज्य अंश है-

(क) स्कन्ध (ख)देश

(ग) प्रदेश (घ) तीनों ही ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1 = (10)

(a) अठफरसी स्कंध की जघन्य अवगाहना एक आकाश प्रदेश होती है। ( )

(b) पर्याप्त जीवों से अपर्याप्त जीव संख्यात गुणा है। ( )

(c) अनाकार उपयोग वाले जीव साकार उपयोग वाले से कम हैं। ( )

(d) सास्वादन समकित वाले अपर्याप्त अवस्था में काल कर सकते हैं। ( )

(e) तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट स्थिति 1 करोड़ पूर्व की होती है। ( )

(f) युगलिक में उत्कृष्ट उपयोग नहीं होता है। ( )

(g) संख्यात वर्षायुष्क सन्नी मनुष्य की जघन्य अवगाहना में दो ही ज्ञान होते हैं। ( )

(h) एकान्त सम्यक् दृष्टि होने से अनुत्तर विमान के देव शुक्ल पाक्षिक है। ( )

(i) नोसंज्ञा बहुता जीव में गुणस्थान 7 से 14 होते हैं। ( )

(j) तिर्यंच पंचेन्द्रिय के अपर्याप्त में अवधि का उपयोग नहीं होता है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- 10x1 = (10)

(a)	नरक में 47 बोल में से बोल	(क) 252	.....
(b)	तेउकाय में 47 बोल में बोल	(ख) 34	.....
(c)	जागृत की राशि	(ग) 240	.....
(d)	समुद्घात नहीं करने वालों की राशि	(घ) 23	.....
(e)	असातावेदनीय वेदन वालों की राशि	(च) 26	.....
(f)	साकार उपयोग वालों की राशि	(छ) 25	.....
(g)	भवनपति देवों में 50 बोल में से बोल	(ज) 43	.....
(h)	गर्भज मनुष्य में 50 बोल में से बोल	(झ) 248	.....
(i)	अनुत्तर देवों में 50 बोल में से बोल	(य) 192	.....
(j)	एकेन्द्रिय में 50 बोल में से बोल	(र) 35	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- 10x1 = (10)

(a) मुझे छोड़कर शेष कर्मों का बंध निरन्तर होता है। .....

(b) 47 बोल में वेदनीय कर्म आश्री चौथा भंग मुझमें मिलता है। .....

(c) केवली की अवगाहना मेरी अपेक्षा से चतुस्थान पतित कही है। .....

(d) उत्कृष्ट अवगाहना वाले मनुष्य मेरी अपेक्षा एकस्थानपतित है। .....

(e) मेरे पाँचवे पद में अजीव पज्जवा का थोकड़ा चलता है। .....

(f) मैं एक ऐसा द्रव्य हूँ, जिससे प्रदेश अलग हो सकते हैं। .....

(g) 256 राशि में मेरी राशि सबसे कम है। .....

(h) मेरे 559 भेद हैं, जिनसे एक राशि भी नहीं बनती है। .....

(i) 50 बोल में मैं ऐसा द्वार हूँ, जिसके आठ भेद हैं। .....

(j) मैं ऐसा गुणस्थान हूँ, जिसमें छह कर्म नियम से बंधते हैं तथा आयु व मोहनीय कर्म नहीं बंधता है। .....

प्र.5 एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए- **12x2=(24)**

(a) 47 बोल के 4 भंगों में तीसरा भंग कौनसा है ?

.....

.....

.....

(b) आयुकर्म आश्री चौथा भंग किसमें पाया जाता है ?

.....

.....

.....

(c) एकस्थानपतित का क्या आशय है ?

.....

.....

.....

(d) उत्कृष्ट अवगाहना वाले तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय में कितने उपयोग होते हैं ?

.....

.....

.....

(e) मनःपर्याय ज्ञानी की उत्कृष्ट अवगाहना त्रिस्थानपतित क्यों कही है ?

.....

.....

.....

(f) जघन्य मतिज्ञान वाले तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय में कितने व कौन-कौन से उपयोग होते हैं ?

.....

.....

.....

(g) अजीव पज्जवा के आधार पर द्विस्थानपतित का आशय लिखिए।

.....

.....

.....

(h) परमाणु से परमाणु की तुलना में द्रव्य की अपेक्षा तुल्य क्यों ? लिखिए।

.....

.....

.....

(i) अवगाहना की अपेक्षा संख्यात प्रदेशावगाढ पुद्गलों की परस्पर तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

(j) 256 राशि में सुप्त जीव कौन-कौन से हैं ?

.....

.....

.....

(k) भाषक द्वार में आठ कर्मों की नियमा-भजना लिखिए।

.....

.....

.....

(l) 50 बोल की बंधी में वेदनीय की भजना तथा 7 का अबंध किन-किन द्वारों में है ?

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : - 12x3 = (36)

(a) मनःपर्याय ज्ञानी में आयुकर्म आश्री कौन-कौन से भंग मिलते हैं ? कारण सहित लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(b) तेजोलेशी पृथ्वीकाय में आयुकर्म आश्री तीसरा भंग ही क्यों पाया जाता है ?

.....

.....

.....

.....

.....

(c) भगवती सूत्र के 26वें शतक के दूसरे, तीसरे उद्देशक का नाम लिखकर दोनों का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) मोहनीय कर्म आश्री मनुष्य में सिर्फ चौथा भंग 47 बोलों में से कितने और कौनसे बोलों में मिलता है?

.....

.....

.....

.....

.....

(e) जीव पज्जवा के आधार पर चतुःस्थान पतित समझाइए।

.....

.....

.....

.....

.....

(f) जघन्य मतिज्ञान वाले नैरयिक की जघन्य मतिज्ञान वाले नैरयिक से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(g) जघन्य स्थिति वाले मनुष्य की जघन्य स्थिति वाले मनुष्य से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(h) तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय की तिर्यञ्च पंचेन्द्रिय से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) एक द्विप्रदेशी स्कन्ध की दूसरे द्विप्रदेशी स्कन्ध से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(j) संख्यात आकाश प्रदेशावगाढ़ पुद्गल की संख्यात प्रदेशावगाढ़ पुद्गल से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(k) एक समय की स्थिति वाले पुद्गल की एक समय की स्थिति वाले पुद्गल से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(l) जघन्य स्थिति वाले अनन्त प्रदेशी स्कन्ध की जघन्य स्थिति वाले अनन्त प्रदेशी स्कन्ध से तुलना कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....